RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार 16 अप्रैल 2025 वर्ष 06 अंक 365 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

पनवेल मनपा द्वारा भेजी गई संपत्ति कर की नोटिसों का कड़ा विरोध...

Page - 2

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

महायुति सरकार में मतभेद...

अमित शाह तक पहुंचा 'शोर'

बीजेपी नेता ने लगाई मुहर !

मुंबईः महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति में दरार की अटकलों के बीच राज्य के मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता चंद्रकांत पाटिल ने कहा है कि किसी गठबंधन सरकार में विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है। महाराष्ट्र के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री पाटिल उन खबरों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिनमें कहा गया था कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से उपमुख्यमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख अजित पवार के बारे में शिकायत की है। ''एक ही छत के नीचे रहने वाले परिवार के सदस्यों के बीच भी मतभेद होते हैं। विभिन्न पृष्ठभूमि के लोग गठबंधन सरकार में एकसाथ आए हैं और यदि ऐसी स्थिति में कोई शोर नहीं होता है, तो किसी को यह जांचना पड़ सकता है कि वे जीवित हैं या नहीं।''

पाटिल ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री शिंदे और पवार अलग-अलग पृष्ठभूमि से आते हैं। उन्होंने कहा, ''जब ऐसे लोग एकसाथ आते हैं, तो स्वाभाविक रूप से कुछ शोर होगा। यह शोर दिखाता है कि वे जीवित हैं। असंतोष जताना आवश्यक है।'' शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना कथित तौर पर इस बात से नाराज है कि पार्टी के पास जो मंत्रालय हैं, उनसे संबंधित कुछ फाइल पवार के पास अटकी हुई हैं। अजित पवार राज्य के वित्त मंत्री भी हैं।

शिवसेना नाराज...

ऐसी अटकलें हैं कि फडणवीस द्वारा राज्य की पूर्ववर्ती शिंदे सरकार द्वारा लिए गए कुछ फैसलों को पलटे जाने से भी शिवसेना नाराज है। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में भाजपा, शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल हैं। महायुति गठबंधन दिसंबर में विधानसभा चुनाव में भारी जीत के बाद सत्ता में आया था। हालांकि, जून 2022 से मुख्यमंत्री रहे शिंदे को देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली नयी सरकार में उपमुख्यमंत्री पद से संतोष करना पड़ा।

मुंबई : 71 वर्षीय व्यक्ति को पत्नी पर हमला करने के जुर्म में तीन साल कैद की सजा

मुंबईः सत्र न्यायालय ने 71 वर्षीय एक व्यक्ति को अपनी पत्नी पर हमला करने के जुर्म में तीन साल कैद की सजा सुनाई। यह घटना उस समय हुई जब व्यक्ति अपनी बेटी पर हमला कर रहा था। जब उसकी पत्नी ने अपनी बेटी को बचाने के लिए हस्तक्षेप किया, तो उसने उस पर दरांती से हमला कर दिया। सत्र न्यायाधीश शायना वी पाटिल ने कहा, ''अभियोजन पक्ष ने साबित कर दिया है कि आरोपी ने दरांती के माध्यम से शिकायतकर्ता को स्वेच्छा से चोट पहुंचाई है, जो कि आईपीसी की धारा 324 के तहत दंडनीय कृत्य है,''

अक्टूबर 2019 में, यह घटना तब हुई जब उसका पति, बरहटे एक शाम घर आया और अपनी बेटी पर दरांती से हमला करना शुरू कर दिया। जब पत्नी ने हस्तक्षेप करने का प्रयास किया, तो उसने दरांती से उसके बाएं कंधे पर वार किया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। इसके बाद मानखुर्द पुलिस ने बरहटे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। रिपोर्ट के अनुसार, पत्नी ने यह भी आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही उसे लगातार शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। अदालत ने कहा कि हालांकि बरहटे का हमला उसकी पत्नी पर नहीं बल्कि उसकी बेटी पर था, लेकिन अभियोजन पक्ष यह साबित करने में विफल रहा कि उसने अपनी पत्नी को मारने के प्रयास में जानबूझकर उसे नुकसान पहुंचाया था। शादी के बाद उसके साथ हुई क्रूरता और उत्पीड़न के मुद्दे पर अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष इसे साबित करने के लिए कोई सबूत पेश नहीं कर सका।

पत्नी के प्राइवेट पार्ट पर हल्दी-कुमकुम लगाकर निचोड़ा नींबू, पति ने पार की वहशीपन की हदें...

बोला- अब पागल हो जाओगी

पुणेः मौजूदा दौर में ऐसा लग रहा है कि सामाजिक पतन बहुत तेजी के साथ हो रहा है। आए दिन कुछ न कुछ ऐसी घटनाएं सामने आती हैं जो इस बात की खुलेआम तस्दीक करती हैं। महाराष्ट्र के पुणे से भी एक ऐसा ही मामला सामने आया है जिससे जानने के बाद आप हैरान रह जाएंगे। जी हां! पुणे के पास पिंपरी-चिंचवाड़ में एक महिला ने अपने पति पर जबरन सेक्स और काला जादू करने का गंभीर आरोप लगाया है। महिला की शिकायत के मुताबिक, पति ने उसके प्राइवेट पार्ट पर हल्दी और कुमकुम लगा नींबू निचोड़ा और कहा कि उसने उस पर जादू कर दिया है, जिससे वह पागल हो जाएगी। पीड़िता और आरोपी की शादी 2004 में हुई थी। शादी के बाद से ही पति पत्नी के चरित्र पर शक करता था, जिसके चलते दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। दिसंबर 2023 में महिला अपने बच्चे को लेकर घर छोड़कर अलग रहने लगी। 2024 में उसने गुजारा भत्ते के लिए कोर्ट में केस दायर किया। 1 जून 2024 को महिला अपने बच्चों की किताबें और गद्दा लेने पति के फ्लैट पर गई थी। इसी दौरान आरोपी पति वहां पहुंचा और फ्लैट के अंदर का दरवाजा बंद कर लिया। महिला का आरोप है कि पति ने चाकू दिखाकर उसके कपड़े उतरवाए और उसके साथ जबरन सेक्स किया।

''मैंने..अब पागल हो जाओगी''

पुलिस शिकायत के मुताबिक जबरिया शारीरिक संबंधि बनाने के बाद आरोपी पति ने महिला के प्राइवेट पार्ट पर हल्दी-कुमकुम लगाया, नींबू निचोड़ा और कहा, ''मैंने तुम पर जादू कर दिया है। अब तुम पागल हो जाओगी।'' आरोपों के मुताबिक उसने महिला को धमकी भी दी कि अगर उसने किसी को बताया तो वह उसे जान से मार देगा। इस मामले में सांगवी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी अभी भी फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही

नवी मुंबई : इनोवा कार की डिग्गी से लटकते हाथ का वीडियो वायरल;

लैपटॉप ब्रांड के प्रचार से जुड़ी थी रील...

नवी मुंबई : महाराष्ट्र के नवी मुंबई में वाशी और सानपाड़ा रेलवे स्टेशन के बीच एक इनोवा कार की डिग्गी से एक शख्स के बाहर लटकते हाथ का वीडियो वायरल होने से हड़कंप मच गया. वायरल वीडियो में नवी मुंबई में सानपाड़ा और वाशी रेलवे स्टेशन के बीच बने सर्विस रोड पर जा रही एक इनोवा कार में एक व्यक्ति का लटकता हुआ हाथ दिखा. इसके बाद पीछे से जा रहे दूसरे वाहन चालक ने उसका वीडियो बनकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया. वीडियो में लटकते हुए हाथ को देखकर वीडियो बनाने वाला कह रहा था, ''लग रहा है कि वह किसी मृत व्यक्ति का शव है अथवा किसी ने हत्या कर उस गाड़ी में डाला होगा.''

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम तुरंत हरकत में आ गई. जानकारी सामने आई है कि वीडियो सोमवार शाम करीब 6:45 बजे शूट किया गया था और करीब 8:30 बजे पुलिस ने गाड़ी को मुंबई के घाटकोपर इलाके में पकड़ लिया. जांच में सामने आया कि कार में बैठे तीन युवक एक रील बना रहे थे, जो उनके लैपटॉप ब्रांड के प्रचार से जुड़ी थी.

मुंबई के रहने वाले हैं तीनों युवक

क्राइम ब्रांच के सहायक पुलिस आयुक्त अजय लांडगे ने बताया, ''तीनों युवक मुंबई के रहने वाले हैं और नवी मुंबई एक शादी में शामिल होने आए थे. उसी जगह उन्होंने यह वीडियो शूट किया. हमने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की और सभी तथ्यों की पुष्टि की है. जांच में कोई संदिग्ध बात नहीं मिली है.'' पुलिस ने उनकी ओर से बनाए गए तमाम वीडियो जब्त कर जांच की. स्क्रिप्ट के अनुसार, पहले वीडियो में कार की डिग्गी से किसी का हाथ बाहर आता है, तभी एक बाइक सवार आता है और कार रुकवाकर डिग्गी खोलने को कहता है. डिग्गी खुलते ही अंदर बैठा युवक बोलता है, ''डर गए? लेकिन मैं मरा नहीं हूं, जिंदा हूं. अब सुनिए हमारे लैपटॉप पर मिलने वाले शानदार ऑफर्स के बारे में.'' इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई थी, लेकिन पुलिस की पूछताछ अभी भी जारी है. नवी मुंबई पुलिस में युवकों को चेतावनी दी है.

मुंबई: बोरीवली पश्चिम में प्रसिद्ध कोरा केंद्र मैदान के पास चार प्रमुख भूमि पार्सल को 539.25 करोड़ रुपये में बेचा गया

मुंबईः खादी एवं ग्रामोद्योग संघ (एमकेवीआईए) ने एक हाई-प्रोफाइल रियल एस्टेट डील को अंतिम रूप दिया, जिसमें बोरीवली पश्चिम में प्रसिद्ध कोरा केंद्र मैदान के पास चार प्रमुख भूमि पार्सल को 539.25 करोड़ रुपये में बेचा गया। खरीदार, ऋषभराज एस्टेट डेवलपर्स ने मुंबई के सबसे घनी आबादी वाले उपनगरों में से एक में लगभग 3.84 एकड़ जमीन, जो 8,977 वर्ग फीट के बराबर है, का अधिग्रहण किया, जहाँ खुले भूखंड दुर्लभ हैं और पुनर्विकास परिदृश्य पर हावी है। इस डील में प्रति वर्ग फीट की दर 6,00,695 रुपये है, जो रियल एस्टेट उद्योग और निवेशकों दोनों का ध्यान आकर्षित करती है। यह लेन-देन न केवल इसके मूल्य के कारण, बल्कि स्थान के कारण भी बहुत बड़ा है, कोरा केंद्र एक सांस्कृतिक आकर्षण का केंद्र है, जो फाल्गुनी पाठक की डांडिया नाइट्स और हाई-प्रोफाइल शादियों जैसे बड़े आयोजनों की मेजबानी करता है।

संपादकीय...

दुर्लभ खनिजों की लड़ाई...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

ऊर्जा से लेकर विमानन और रक्षा तक कई क्षेत्रों के लिए जरूरी दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला पर चीन के नियंत्रण को लंबे समय से वैश्विक जोखिम के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा चीनी निर्यात पर प्रतिबंधात्मक उच्च टैरिफ लागू किए जाने के बाद चीन के नेताओं ने भी इस आर्थिक हथियार का इस्तेमाल आरंभ कर दिया है जिसके बारे में लंबे समय से आशंकाएं प्रकट की जा रही थीं। चीन ने निर्यातक के पास समुचित लाइसेंस न होने की स्थिति में 7 दुर्लभ खनिजों का निर्यात प्रतिबंधित कर दिया है। चीन के पास 17 ऐसे खनिजों की सूची है। अधिकांश निर्यातकों ने ध्यान दिया कि फिलहाल वहां प्रभावी लाइसेंसिंग व्यवस्था नहीं है और कम से कम निकट भविष्य में इसका मतलब निर्यात पर प्रतिबंध लगने जैसा ही है। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या चीन के अधिकारी वास्तव में कोई निर्यात लाइसेंसिंग प्राधिकार गठित करना चाहते हैं और उसे इतना क्षमता संपन्न बनाना चाहते हैं जो निर्यात की जांच परख कर सके? अगर वे ऐसा चाहते भी हैं तो इससे व्यवस्था में तनाव उत्पन्न होगा और संभव है कि चीन के अफसरशाह उन देशों के ग्राहकों और कंपनियों को निशाना बनाएं जो भूराजनीतिक दृष्टि से संवेदनशील माने जाते हैं। अमेरिका इसका प्रमुख उदाहरण है लेकिन उसके साथ-साथ यूरोपीय देश और भारत भी जद में आ सकता है। ऐसे निर्यात नियंत्रण अब उन चुंबकों पर भी लागू होंगे जिनका निर्माण दुर्लभ खनिजों से होता है और जो वाहन और रक्षा क्षेत्र सहित कई तरह के विनिर्माण में इस्तेमाल किए जाते हैं।

कम से कम 2010 से यह बात ज्ञात है कि चीन चुनिंदा अहम खनिजों पर एकाधिकार करना चाह रहा है और वह इस एकाधिकार का इस्तेमाल आर्थिक दबदबा कायम करने के लिए करेगा। यही वह साल था जब चीन ने पहली बार इसे हथियार की तरह बरतते हुए अहम भू-खनिजों का जापान की कंपनियों को किया जाने वाला निर्यात रोक दिया था। उस समय दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ा हुआ था। तब से अब तक अन्य देशों के पास पर्याप्त अवसर था कि वे वैकल्पिक क्षमताएं विकसित कर लेते। दुर्भाग्यवश कई देशों में अलग-अलग नए नीतिगत मिशन स्थापित होने के बावजूद और अमेरिका के पिछले प्रशासन द्वारा ढेर सारी धनराशि आवंटित किए जाने के बावजूद इसके आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का प्रभावी नियंत्रण बरकरार है। अमेरिकी कंपनियों ने खासतौर पर अक्षम्य आलस्य बरता है। इसके वैश्विक परिणाम बहुत परेशानी खड़ी करने वाले हो सकते हैं। खासतौर पर इलेक्ट्रिक कारों को अपना रही कार कंपनियों को अहम चुंबक हासिल करने में संघर्ष करना होगा। इसी तरह ड्रोन, रोबोटिक्स और मिसाइल विनिर्माण को भी आपूर्ति क्षेत्र की दिक्कतों का सामना करना होगा। इसका असर पश्चिमी देशों की सैन्य तैयारियों पर पड़ेगा। खासतौर पर ऐसे समय में जब यूक्रेन युद्ध और अटलांटिक पार के तनावों के कारण समूचे यूरोप में हथियारों के जखीरे तैयार हो रहे हैं।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 8657861004
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : 21 दिनों में सिर्फ 10 प्रतिशत सफाई...

बारिश अपने साथ ला सकती है आफत

मुंबई : बीएमसी ने इस साल भी मानसून पूर्व नालों की सफाई का काम शुरू किया है। इस वर्ष २५ मार्च से नालों की सफाई शुरू हुई है। पिछले २१ दिनों में सिर्फ १० प्रतिशत ही सफाई हो पाई है, जबकि मानसून में दो महीना से भी कम समय बाकी है। अंधेरी वेस्ट, न्यू लिंक रोड मोगरा नाला की स्थिति बहुत ही खराब दिख रही है। इस वजह से लोग परेशान हैं। शिकायतों के बाद भी मनपा इस नाले की सफाई नहीं करवा रही है। यही हाल ओशिवरा नदी का भी है, जो बीमारी को दावत देती प्रतीत हो रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या बीएमसी बारिश के पहले सभी नाले और गटर साफ कर लेगी? सफाई की गति को देखकर तो यही लगता है कि इस बार बारिश अपने साथ आफत ला सकती है।

शहर में कई छोटे-बड़े नाले हैं और बीएमसी पर अक्सर समय पर नालों की सफाई न करने के आरोप लगते रहे हैं। हर साल बारिश के दौरान मुंबईकर मुसीबतों का सामना करते हैं। एक दिक्कत यह भी है कि जिन नालों की सफाई की जा रही है, उनसे निकली गंदगी को बाहर ही छोड़ दिया जा रहा है। इससे लोगों को न सिर्फ चलने में मुश्किल हो रही है, बल्कि तेज दुर्गंध भी आ रही है। बीएमसी का कहना है कि गाद सूखने के बाद उसे उठाया जाता है, लेकिन लोगों का आरोप है कि कई जगह गाद सूखने के बाद भी उसे उठाया नहीं जा रहा है। ऐसे में, लोगों को डर है कि अगर प्री-मानसून बारिश हो जाती है तो सारा कचरा फिर से नालों और गटरों में वापस चला जाएगा। बांद्रा और धारावी जैसे इलाकों में यही हाल है, जहां सबसे ज्यादा नाले हैं। यहां के लोगों का कहना है कि नालों से निकला गाद सड़क पर पैछल रहा है, जिससे लोग न पैदल चल पा रहे हैं और न ही वाहन ही ढंग से गुजर पा रहे हैं।

शहर में शायद ही कोई इलाका ऐसा हो, जहां खुदाई का काम नहीं चल रहा है। विभिन्न कामों के लिए खोदी गई सड़कें ऐसे ही छोड़ दी गई हैं, जिससे मानसून के दौरान दिक्कत हो सकती है। इसके अलावा, सड़कों के गड्ढों को भरना भी शुरू नहीं किया गया है। बारिश के दौरान हर साल गड्ढों की वजह से हादसे होते हैं, जिनमें लोगों की जान भी जाती है। बीएमसी हर साल दावा करती है कि इस बार मुंबईकरों को मुश्किल नहीं होगी, लेकिन हर साल ही मुंबईकर परेशान होते हैं।

ठाणे : माल्यार्पण करने की होड़ में झड़प के दौरान कई लोग घायल और वाहनों को भी नुकसान

ठाणे : बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की जयंती के मौके पर महाराष्ट्र के ठाणे में प्रतिमा पर माल्यार्पण को लेकर विवाद हो गया। ठाणे जिले के डोंबिवली में दो समूहों के बीच झड़प के बाद पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि घटना मशाल चौक पर हुई। घटनास्थल पर लोग आधी रात के बाद करीब 1:45 बजे से ही जमा होने लगे थे। पहले माल्यार्पण करने की होड़ में पहले जमकर बहस हुई। बात इतनी बढ़ी कि लोग एक दूसरे पर लाठी और पत्थरों से हमले करने लगे। झड़प के दौरान कई लोग घायल हुए और वाहनों को भी नुकसान पहुंचा। गिरफ्तार और घायल लोगों में महिलाएं भी शामिल हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

मुंबई : एसटी की बसों में जीपीएस, पैनिक बटन और सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय

मुंबई : स्वारगेट दुर्घटना समेत पुरानी कई घटनाओं से सबक लेते हुए अब महायुति सरकार ने लाडली बहनों और छात्राओं की सुरक्षा को लेकर अहम पैष्ठसला किया है। इसके तहत राज्य परिवहन विभाग ने एसटी की १२,००० बसों सहित आने वाली २,५०० नई बसों में जीपीएस, पैनिक बटन और सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही परिवहन विभाग ने एक और फैसला किया है, जिसके तहत आगामी शैक्षणिक वर्ष से छात्रों को स्कूल लाने-ले जाने वाली बसों में भी सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य होगा। इन सभी सुरक्षा संसाधनों के चलते अब घर बैठे ही बस का लोकेशन आसानी से मिल सकेगा।

उल्लेखनीय है कि राज्य में लगभग तीन लाख स्कूल हैं, जिनमें विशेष रूप से इंग्लिश मीडियम स्कूलों में बसों का अधिक उपयोग होता है। अब हर स्कूल बस में छात्रों की सुरक्षा के लिए कैमरे लगाना जरूरी होगा। ये नियम नए शैक्षणिक सत्र से लागू होंगे। नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित बस संचालक पर आरटीओ या ट्रैफिक पुलिस द्वारा १०,००० रुपए से अधिक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। साथ ही स्कूलों को इन कैमरों की फुटेज कम से कम ३० दिनों तक सुरक्षित रखना होगा। दूसरी तरफ परिवहन महामंडल की मौजूदा १५,००० बसों में से ३,००० बसें अगले साल तक स्क्रैप की जाएंगी। इसी के साथ ही शेष बची १२,००० बसों में अगले दो महीनों के भीतर यात्रियों की सुरक्षा के लिए चार-चार सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

परिवहन मंत्री के मुताबिक, प्रत्येक स्कूल बस में उच्च दर्जे के सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य होंगे। निगरानी स्कूल के प्राचार्य कार्यालय से होगी और स्कूल बस का किराया पूरे राज्य में एक समान रहेगा। केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुसार एक सदस्यीय समिति रिपोर्ट तैयार करेगी, जिसके आधार पर यह नियम लागू किए जाएंगे।

पनवेल मनपा द्वारा भेजी गई संपत्ति कर की नोटिसों का कड़ा विरोध...

मुंबई : तलोजा एमआईडीसी के उद्योगपतियों ने पनवेल मनपा द्वारा भेजी गई संपत्ति कर की नोटिसों का कड़ा विरोध किया है। उनका कहना है कि वे पहले से ही महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) को सभी बुनियादी सेवाओं के लिए शुल्क चुका रहे हैं, ऐसे में पीसीएमसी की ओर से लगाया गया टैक्स अनुचित और दोहरी कर वसूली है।

खबरों की मानें तो बताया गया है कि वर्ष २०१६ से २०२४ तक की अवधि के लिए यह बकाया कर मांगा जा रहा है। तलोजा क्षेत्र की लगभग सभी ९०० से अधिक औद्योगिक इकाइयों को पीसीएमसी से नोटिस मिली है, जिससे उद्योगपतियों में असमंजस और आक्रोश का माहौल है। उद्योग संगठनों ने राज्य सरकार से मांग की है कि वह इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करे और औद्योगिक नीतियों में किए गए वादों को लागू कराए। उनका कहना है कि एमआईडीसी एक अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्र है, जहां केवल एमआईडीसी को ही शुल्क वसूलने का अधिकार है। ऐसे में मनपा का हस्तक्षेप औद्योगिक क्षेत्र की स्वायत्तता का उल्लंघन है। उद्योगपतियों का आरोप है कि पीसीएमसी के अधिकारी कर वसूली के लिए लगातार दबाव बना रहे हैं और संपत्ति जब्त करने की धमकी भी दे रहे हैं। पानी की आपूर्ति, अग्निशमन, सीवेज, सड़क और ड्रेनेज आदि के लिए अलग से कर वसूला जा रहा है। इस विवाद ने तलोजा औद्योगिक क्षेत्र में निवेश और व्यापार वातावरण को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उद्योग जगत का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो इससे औद्योगिक विकास और रोजगार पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

मुंबईः आठ लाख महिलाओं को 1500 के बजाय सिर्फ 500 रुपये मिलेंगे...

मुंबईः अपने खर्च काम करने में जुटी महाराष्ट्र सरकार ने मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना में फिर बदलाव किया है। इस बदलाव के बाद योजना के तहत आठ लाख महिलाओं को 1500 के बजाय सिर्फ 500 रुपये मिलेंगे। सरकार के नियम के मुताबिक, 1500 रुपये उन्हीं लाभार्थियों को दिए जाएंगे, जिन्हें दूसरी योजना का फायदा नहीं मिल रहा है। जिन्हें नमो शेतकरी महासम्मान निधि से भी 1000 रुपये लाभ मिल रहा है, उन्हें लाडली बहना योजना के तहत 500 रुपये से संतोष करना होगा।

लाडली बहना योजना का बजट घटा

महाराष्ट्र में महायुति की सरकार लाडली बहना योजना और नमो शेतकरी महासम्मान निधि के दम पर दूसरी बार सत्ता में आई। दोनों योजनाओं में लाभार्थियों की संख्या करोड़ों में हैं। राज्य सरकार पर अपने खर्चों को नियंत्रित करने का दबाव है, लेकिन उसे अपनी मुख्य योजनाओं को भी चलाना है। राज्य पर 2025-26 तक 9.3 लाख करोड़ रुपये का कर्ज होने का अनुमान है।2025-26 के बजट में महाराष्ट्र सरकार ने लाडली बहना योजना की राशि 46,000 करोड़ रुपये से घटाकर 36,000 करोड़ रुपये कर दिए गए। इसके बाद से योजना के लाभार्थियों की संख्या कम होती गई।

सरकार लाडली बहना योजना के लाभार्थियों की जांच कर रही है ताकि सिर्फ सही लोगों को ही इसका फायदा मिले। अक्टूबर में इस योजना के लिए लगभग 2.63 करोड़ आवेदन आए थे। जांच के बाद फरवरी तक यह संख्या 11 लाख घटकर 2.52 करोड़ हो गई। फरवरी और मार्च में, केवल 2.46 लाख महिलाओं को ही पैसे मिले। एक अधिकारी ने बताया कि आवेदनों की पहले जिलों से राज्य मुख्यालय तक जांच की गई। इसके बाद हर स्तर पर इसे क्रॉस चेक भी किया गया।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पहले कहा था कि जांच के बाद लाभार्थियों की संख्या 10-15 लाख तक कम हो सकती है। उन्होंने कहा कि हम नियम या पैसे नहीं बदल रहे हैं, बस यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि केवल योग्य लोगों को ही पैसे मिले। राज्य सरकार लाडली बहना योजना के लाभार्थियों की पांच मुख्य बातों पर जांच कर रही है। लाभार्थी 18-65 साल की उम्र के होने चाहिए और महाराष्ट्र के निवासी होने चाहि। उनके परिवार की सालाना आय 2.5 लाख रुपये से कम होनी चाहिए। जिनके पास चार पहिया वाहन है या परिवार का कोई सदस्य सरकारी नौकरी में है, उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। जो महिलाएं दूसरी सरकारी योजनाओं से लाभ ले रहे हैं, उन्हें भी इसका लाभ मिलेगा, बशर्ते दोनों योजनाओं से मिलाकर कुल लाभ 1,500 रुपये प्रति माह से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

सीएम फडणवीस ने जीडी कुलथे को दी श्रद्धांजलि

मुंबई : अधिकारी महासंघ के संस्थापक जीडी कुलथे का सोमवार रात निधन हो गया। उनके निधन पर सीएम देवेंद्र फडणवीस ने दुख व्यक्त किया है। सीएम ने एक्स पर लिखा ''जीडी कुलथे की निधन की खबर बहुत दुखद है। मुझे अक्सर सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ उनके मुद्दों पर चर्चा और बातचीत करने का अवसर मिलता था। वे बहुत संयमित और जिम्मेदार नेता थे जो प्रशासन के रूप में राज्य सरकार के हितों पर विचार करते थे। अपने अधिकारों की मांग करते हुए वे अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा पालन किये जाने वाले प्रोटोकॉल पर भी जोर देते नजर आते हैं। मैं उन्हें अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हम उनके परिवार और संगठन में उनके सभी सहयोगियों के दुःख में शामिल हैं।''

लातूरः कांस्टेबल कर रहा ड्रग्स फैक्ट्री का संचालन...

11 किलो 66 ग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स जब्त, 14 दिन की पुलिस हिरासत

लातूरः महाराष्ट्र के लातूर जिले से एक चौंका देने वाला मामला सामने आया है, जहां ड्रग्स फैक्ट्री का संचालन कोई आम अपराधी नहीं बल्कि मुंबई पुलिस का एक कांस्टेबल कर रहा था. राजस्व खुफिया निदेशालय ने लातूर के चाकुर तहसील के रोहिना गांव में छापा मारकर इस अवैध फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया. इस दौरान टीम ने 11 किलो 66 ग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स जब्त की, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 12 करोड़ रुपये आंकी गई है.

DRI को यह जानकारी मुंबई में पहले पकड़े गए ड्रग्स तस्करी मामले के आरोपियों से मिली थी. पूछताछ में सामने आया कि लातूर में भी एक बड़ी ड्रग्स फैक्ट्री संचालित हो रही है. इसी इनपुट के आधार पर टीम ने रोहिना गांव में छापा मारा और भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ-साथ ड्रग्स बनाने की मशीनें भी जब्त कीं.

इस मामले में उसने प्रमोद संजय केंद्रे नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो पेशे से मुंबई पुलिस में कांस्टेबल है. प्रमोद मूल रूप से लातूर का रहने वाला है और उसने अपने खेत में एक शेड बनाकर वहां पर यह ड्रग्स फैक्ट्री खड़ी कर दी थी. बताया जा रहा है कि वह पिछले चार महीनों से इस अवैध धंधे में सक्रिय था.

14 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

प्रमोद के अलावा इस मामले में चार अन्य आरोपियों मोहम्मद शेख, जुबेर मापकर, आहद मेमन और अहमद खान को भी हिरासत में लिया गया है. ये सभी आरोपी मुंबई के रहने वाले हैं और ड्रग्स निर्माण तथा सप्लाई में शामिल थे. सभी पांचों आरोपियों को चाकुर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है. पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की गहनता से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह के और कौन-कौन से सदस्य हैं और ड्रग्स की सप्लाई की चैन कहां तक फैली हुई है.

पुणे : 20 से ज्यादा आपराधिक मामले के आरोपी टिपू पठान को हथकड़ी लगाकर परेड

पुणे : पुलिस ने एक आरोपी टिपू पठान को हथकड़ी लगाकर उसके ही इलाके में परेड करवाई। इसके साथ ही पुलिस ने स्थानीय निवासियों से अपील की कि अगर टिपू पठान ने या उसके साथी ने उन्हें परेशान किया हो, तो वे बिना डर के पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराएं। उसके खिलाफ हत्या, हत्या की कोशिश और रंगदारी सहित 20 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। वीडियो में दिखाया गया के हडपसर क्षेत्र के सैयद नगर में पुलिस टीम ने टिपू पठान की परेड कराई। इस दौरान काले पडल थाने के वरिष्ठ निरीक्षक मान सिंह पाटिल और उनकी टीम के सदस्य निवासियों से अपील कर रहे हैं कि वे पठान या उसके साथियों द्वारा किए गए किसी भी अपराध की शिकायत पुलिस में दर्ज कराएं।

पुलिस के मुताबिक, पठान को हाल ही में एक महिला की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश और उससे 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। निरीक्षक पाटिल ने निवासियों को आश्वस्त किया कि उन्हें पठान से डरने की कोई आवश्यकता नहीं है और उन्हें अगर पठान ने धमकी दी हो या रंगदारी मांगी हो तो वे बिना डर के शिकायत दर्ज कराएं। पाटिल ने कहा कि पठान के खिलाफ 28 अपराध दर्ज हैं, जिनमें हत्या, हत्या की कोशिश और रंगदारी शामिल हैं।

नागपुर : दो प्रबंधकों समेत तीन अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज...

नागपुर : महाराष्ट्र के नागपुर में एल्युमीनियम उत्पाद फैक्टरी में विस्फोट मामले में तीन अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इनमें दो प्रबंधक और एक सुरक्षा प्रभारी शामिल है। हालांकि, अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। यह कार्रवाई तब की गई जब फैक्टरी में कई सुरक्षा खामियां पाई गई। पिछले शुक्रवार को उमरेड एमआईडीसी में एमएमपी एल्युमीनियम इंडस्ट्रीज में धमाका हुआ था। इसमें पांच मजदूरों की मौत हो गई थी।

ठाणे : पेड़ से लटका मिला महिला का शव...

ठाणे : ठाणे के पाचपाखाडी इलाके में रविवार दोपहर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक महिला का शव जांबुल के पेड़ से लटका हुआ पाया गया। मृतका की पहचान 38 वर्षीय पार्वती शर्मा के रूप में हुई है, जो मूल रूप से नेपाल की रहने वाली थीं और अपने पति के साथ अल्मेडा रोड स्थित एक हाउसिंग सोसायटी में रहती थीं। पुलिस के अनुसार, पार्वती के पति उसी सोसायटी में सुरक्षा रक्षक के तौर पर कार्यरत हैं। दंपति की संतान नेपाल में ही रहती है। रविवार को पार्वती का शव सोसायटी परिसर में स्थित एक जांबुल के पेड़ से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही नौपाडा पुलिस और ठाणे महापालिका के अग्निशमन दल की टीम मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतार कर पोस्टमार्टम के लिए ठाणे जिला सरकारी अस्पताल भेजा गया।

मुंबई : निकाय चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका; दो बड़े नेता आज बीजेपी में शामिल होंगे.....

मुंबईः महाराष्ट्र में बीएमसी चुनाव से पहले सियासी दल बदल का दौर जारी है। प्रदेश में निकाय चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के दो बड़े नेता बीजेपी में शामिल हो जाएंगे। जानकारी के अनुसार कोल्हापुर के कागल से शिवसेना ठाकरे गुट के पूर्व विधायक संजयबाबा घाटगे बीजेपी में शामिल हो जाएंगे। इसके अलावा शेतकारी कामगार पार्टी के नेता जयंत पाटिल के भाई और पूर्व विधायक पंडित पाटिल भी बीजेपी में शामिल होंगे। दोनों नेता बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले की अध्यक्षता में बीजेपी जॉइन करेंगे। बता दें कि विधानसभा चुनाव के बाद से ही संजय घाटगे बीजेपी के संपर्क में थे। दोनों नेता बीजेपी में शामिल होने के बाद सीएम देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में शक्ति प्रदर्शन करेंगे। बता दें कि पंडित पाटिल के अलावा उनके भाई जयंत पाटिल पर भी बीजेपी की नजर है। फिलहाल जयंत पाटिल एमवीए के साथ है। गौरतलब है कि इससे पहले उद्धव ठाकरे की पार्टी की नेता संजना घाड़ी और उनके पति संजय घाड़ी ने पार्टी को अलविदा कह दिया था। दोनों नेता शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना में शामिल हो गए थे। उनके साथ पार्टी के कई कार्यकर्ता भी शामिल हुए थे। संजना घाडी मुंबई की बड़ी नेताओं शुमार मानी जाती हैं। कुछ दिन पहले ही उनके पति संजय घाडी को पार्टी ने प्रवक्ता बनाया गया था। जानकारी के अनुसार कुछ समय पहले पार्टी ने प्रवक्ताओं की सूची जारी की थी जिसमें संजना का नाम नहीं था लेकिन ऐन वक्त पर उनका नाम जोड़ा गया। ऐसे में माना जा रहा है कि इसी से नाराज होकर उन्होंने पार्टी बदलने का मन बना लिया था।

महाराष्ट्र में 1,400 करोड़ का गन्ना भुगतान बकाया, कार्रवाई शुरू

मुंबई: महाराष्ट्र में गन्ना पेराई का मौसम लगभग खत्म हो चुका है, और अब चीनी आयुक्त कार्यालय यह सुनिश्चित करने में जुटा है कि किसानों के बकाया भुगतान जल्द से जल्द किए जाएं। चीनी आयुक्त कार्यालय ने 15 चीनी मिलों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है, क्योंकि इन मिलों ने किसानों से खरीदे गए गन्ने का भुगतान नहीं किया है। 1 अप्रैल तक की रिपोर्ट के अनुसार, किसानों को उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) के रूप में कुल 28,231 करोड़ रुपये का भुगतान करना था, जिसमें से मिलों ने 26,799 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। इस तरह, 1,432 करोड़ रुपये का बकाया अभी भी बाकी है।

चीनी स्टॉक की नीलामी से वसूली की तैयारी

गन्ना पेराई का मौसम छोटा होने के बावजूद, चीनी की कीमतें अपेक्षाकृत अधिक रही हैं। फिर भी, अधिकांश मिलें अपनी क्षमता से कम पेराई करने के कारण परिचालन घाटे से जूझ रही हैं। चीनी आयुक्त कार्यालय के नियमों के अनुसार, मिलों को गन्ना खरीद के 14 दिनों के भीतर किसानों को पूरा एफआरपी भुगतान करना होता है। ऐसा न करने पर चीनी आयुक्त कार्यालय राजस्व वसूली प्रमाणपत्र (आरआरसी) जारी कर सकता है, जिसके तहत बकाया राशि को राजस्व बकाया के रूप में वसूला जाता है। आमतौर पर, राजस्व अधिकारी चीनी के स्टॉक की नीलामी का आदेश देकर बकाया वसूलते हैं।

इस मौसम में 200 मिलों ने गन्ना पेराई की, जिनमें से 105 मिलों ने अपने बकाया का 100 प्रतिशत भुगतान कर दिया है। 50 मिलों ने 80 से 99.99 प्रतिशत, 30 मिलों ने 60 से 79.99 प्रतिशत, जबकि 14 मिलों ने अपने कुल बकाया का 40 प्रतिशत से भी कम भुगतान किया है।

अगले सीजन को लेकर अनिश्चितता, निर्यात भी सीमित

अंतिम उत्पादन के आंकड़ों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे 2025-26 के गन्ना पेराई मौसम की शुरूआती मात्रा पर सवाल उठ रहे हैं। उत्पादन के अनुमान 44 लाख टन (नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लिमिटेड के अनुसार) से लेकर 54 लाख टन (इंडियन शुगर एंड बायो एनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अनुसार) तक हैं। केंद्र सरकार ने 10 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति दी है, जिसमें से मिलों ने 6 लाख टन का व्यापार पूरा कर लिया है। अंतरराष्ट्रीय चीनी की कीमतों में थोड़ी गिरावट आई है, क्योंकि खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के मार्च सूचकांक में 1.6 अंकों की कमी दर्ज की गई, जो मुख्य रूप से अपेक्षा से कम मांग के कारण थी।

मिलें पुराने कर्ज और कम नकदी के जाल में फंसी

भारत के उत्पादन आंकड़ों ने अगले कुछ महीनों की उपलब्धता पर सवाल खड़े किए हैं। चीनी उद्योग के वरिष्ठ विश्लेषक विजय औटाडे ने कहा कि कई मिलें एफआरपी का भुगतान करने में विफल रही हैं, क्योंकि चीनी की अर्थव्यवस्था असंतुलित है। उन्होंने बताया, ''मिलें अपने चीनी स्टॉक को बैंकों के पास गिरवी रखकर कार्यशील पूंजी जुटाती हैं। वर्तमान में चीनी का मूल्यांकन 3,500 रुपये प्रति क्विंटल किया जाता है, और बैंक इसकी 85 प्रतिशत राशि गिरवी ऋण के रूप में देते हैं। हालांकि, बैंक सुरक्षा जमा राशि काट लेते हैं, जिसके कारण मिलों को एफआरपी भुगतान के लिए पर्याप्त धन नहीं मिलता। इसके अलावा, मिलें पुराने ऋणों की भी सेवा करती हैं, जो उन्होंने पहले एफआरपी भुगतान के लिए लिए थे। कुल मिलाकर, मिलें साल-दर-साल एफआरपी भुगतान के दुष्चक्र में फंस रही हैं।''

इस बीच, किसान नेता और पूर्व सांसद राजू शेट्टी ने पुणे में चीनी आयुक्त से मुलाकात कर बकाया भुगतान की मांग की। उन्होंने कहा, ''किसानों को उनका बकाया जल्द मिलना चाहिए, अन्यथा हमें कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।''

प्रेमी ने प्रेमिका के अंतरंग वीडियो सोशल मीडिया पर डालने की दी धमकी... वीडियो न डालने के लिए मांगे दो लाख रुपए

मुंबई । अंधेरी इलाके में रहने वाली 32 वर्षीय विवाहित महिला को उसके दोस्त द्वारा अश्लील वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने और पैसे की मांग करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। खार पुलिस ने आरोपी रोहित उर्फ रामप्रसाद नारायण पांडे को गि-रफ्तार कर लिया है। आरोपी महिला से 2 लाख रुपये की मांग कर रहा था और पैसे न देने पर उसके निजी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दे रहा था। पुलिस के अनुसार, पीड़ित अपने परिवार के साथ अंधेरी इलाके में रहती है। वहीं, उसकी जान-पहचान रोहित से हुई, जो पास ही में नौकरी करता था। धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती गहरी हो गई और यह रिश्ता प्रेम संबंध में बदल गया। दोनों के बीच नियमित बातचीत और मुलाकातें होती रहीं। कुछ महीने पहले आरोपी ने महिला को खार में मिलने बुलाया और एक होटल ले गया, जहां दोनों ने आपसी सहमति से शारीरिक संबंध बनाए।

मुंबई : नाले सफाई अभियान के तहत निकाली जा रही गंदगी और कचरा सड़कों पर ही छोड़ दिए जाने से नागरिकों में भारी रोष...

मुंबई : मानसून पूर्व नाले सफाई अभियान के तहत निकाली जा रही गंदगी और कचरा सड़कों पर ही छोड़ दिए जाने से नागरिकों में भारी रोष है। रिपोर्ट की मानें तो यह स्थिति न केवल दुर्गंध और गंदगी फैला रही है, बल्कि संभावित बारिश की स्थिति में पूरी सफाई प्रक्रिया को बेकार करने का खतरा भी उत्पन्न कर रही है। मनपा की यह सफाई प्रक्रिया हर साल की तरह इस बार भी २५ मार्च से शुरू हुई है, लेकिन वर्षों से एक जैसी पद्धति अपनाने के बावजूद आज तक कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई कि निकाली गई गंदगी को तुरंत निस्तारित किया जाए। मनपा का तर्क है कि गंदगी को सूखने देने के बाद ही डंपिंग ग्राउंड तक ले जाया जाता है, लेकिन मुंबई जैसे शहर में जहां बेमौसम बारिश आम बात है, वहां यह नीति पूरी तरह असफल साबित हो रही है। शहर के कई इलाकों जैसे अंधेरी, धारावी, सायन आदि में सड़क किनारे पड़े गंदगी के ढेर न सिर्फ बदबू पैष्ठला रहे हैं, बल्कि सड़क की जगह भी घेर रहे हैं, जिससे ट्रैफिक की समस्या और विकराल हो रही है। धारावी जैसी घनी बस्ती वाले क्षेत्र में पहले ही यातायात का दबाव अधिक है और अब इन गंदगी के ढेरों ने स्थिति और बिगाड़ दी है।

नागरिकों का कहना है कि अगर बारिश से पहले ही यह गंदगी वापस नालों में चली गई तो मनपा की करोड़ों रुपए की सफाई योजना पर पानी फिर जाएगा। क्या गंदगी को सुखाने और उठाने की कोई बेहतर वैकल्पिक प्रणाली नहीं अपनाई जा सकती? मनपा की ढीली कार्यप्रणाली और ठेकेदारों की लापरवाही ने इस सफाई अभियान को ही जनता के लिए सिरदर्द बना दिया है।

मुंबई : तेजी से बढ़ रहे हैं मच्छरजनित बीमारियों के मामले...

मुंबई : महाराष्ट्र में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले तीन महीनों के दौरान मलेरिया के १,१३८, डेंगू के ८१२ और चिकनगुनिया के ५०७ मरीज सामने आए हैं। शहरी क्षेत्रों में इन बीमारियों का सबसे ज्यादा असर मुंबई मनपा क्षेत्र में देखने को मिला है। रिपोर्ट की मानें तो १४ जनवरी तक राज्य में मलेरिया के ४०१ और डेंगू के २१० मामले दर्ज किए गए थे। इसके बाद सिर्फ ढाई महीने में मलेरिया के मामलों की संख्या दोगुनी हो गई, जबकि डेंगू के केस पांच गुना तक बढ़ गए हैं। जिलों की बात करें तो गढ़चिरोली में मलेरिया के सबसे अधिक ६४४ मरीज मिले हैं। इसके अलावा रायगड में ९०, गोंदिया में ११ और ठाणे में ७ मरीजों की पुष्टि हुई है। महानगर पालिकाओं में पनवेल ११० मामलों के साथ सबसे आगे है, जबकि मुंबई में १०२, ठाणे में ६८ और कल्याण व मीरा-भायंदर में २५-२५ मरीज मिले हैं। डेंगू के मामले भी तेजी से बढ़े हैं। पालघर में ७७, पुणे में ७१, अकोला में ६२ और सिंधुदुर्ग में ५६ डेंगू के मरीज सामने आए हैं। मनपा क्षेत्रों की बात करें तो मुंबई में २२१, नासिक में ९०, अकोला में ६९ और मालेगांव में ५४ मामले दर्ज किए गए हैं। चिकनगुनिया के मामले भी कम नहीं हैं। पुणे में ६०, अकोला में ५०, सिंधुदुर्ग में ४३ और पालघर में ३४ मरीज सामने आए हैं।

मालाड-मालवणी की चौदह हजार झोपड़पट्टी का पुनर्विकास करेगी म्हाडा...

मुंबई : मालाड स्थित मालवणी क्षेत्र की लगभग 14,000 झोपड़ियों का पुनर्विकास के लिए म्हाडा मुंबई मंडल ने पहल की है। झोपड़पट्टी पुनर्विकास प्राधिकरण द्वारा सालो साल से पुनर्विकास के लिए अटकी पड़ी 21 योजनाओं को म्हाडा को डॉप दिया गया है। म्हाडा ने इसी के तहत मालाड के मालवणी क्षेत्र की 51 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले राजीव गांधी नगर का पुनर्विकास करने के लिए म्हाडा ने सलाह-कार और वास्तुविद की नियुक्ति करने का निर्णय लिया है। म्हाडा ने इसके लिए

मुंबई मंडल द्वारा निविदा जारी की गई।

म्हाडा द्वारा निकाली गई निविदा के अनुसार परियोजना का विस्तृत खाका तैयार करना, निविदा प्रक्रि या को लागू करना और परियोजना प्रबंधन की जिम्मेदारी सलाहकार एवं वास्तुविद को सौंपी जाएगी। इस परियोजना को पूरा करने के लिए लगभग छह वर्ष का समय लगने की संभावना है। यह म्हाडा की अब तक की सबसे बड़ी झोपड़पट्टी पुनर्वि-कास योजना मानी जा रही है। इससे पहले मंडल ने जोगेश्वरी की साई बाबा योजना, कुर्ला की श्रमिक नगर और चेंबूर की जागृति योजना हाथ में ली थी। इन तीनों योजनाओं के लिए झोपड़पट्टी पुनर्विकास प्राधिकरण से म्हाडा को एलओआई प्राप्त हो चुकी है जिनका क्षेत्रफल 1,500 से 2,008 वर्ग मीटर तक है।

कल्याण बलात्कार-हत्या मामले के आरोपी की कोठरी से डायरी मिली: पुलिस

कल्याण : तलोजा जेल की उस कोठरी से प्राधिकारियों को एक डायरी मिली है जिसमें एक नाबालिग लड़की से बलात्कार और उसकी हत्या का आरोपी व्यक्ति बंद था। उक्त डायरी में आरोपी व्यक्ति ने कथित तौर पर लिखा था कि वह अव-सादग्रस्त था और उसने अपनी आत्महत्या के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। यह जानकारी अधिकारियों ने सोमवार को दी। विशाल गवली (35) पर पिछले साल दिसंबर में महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कल्याण शहर में एक नाबालिग लड़की के साथ बला-त्कार और उसकी हत्या का आरोप था। पुलिस ने पहले बताया था कि आरोपी व्यक्ति रविवार सुबह पड़ोसी नवी मुंबई स्थित तलोजा केंद्रीय जेल के शौचालय में लटका हुआ मिला। खारघर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि प्रा-धिकारियों को गवली की कोठरी में एक

डायरी मिली है, जिसमें उसने कथित तौर पर लिखा है कि वह अवसाद में था, क्योंकि उसकी पत्नी (मामले में सह-आरोपी) उसकी ओर ध्यान नहीं दे रही थी और उस पर विश्वास नहीं कर रही थी। अधिकारी ने बताया कि गवली ने डायरी में यह भी लिखा है कि वह अपने कृत्य (आत्महत्या) के लिए किसी को दोषी नहीं ठहरा रहा है।

विदेश जाकर करें फैशन डिजाइनिंग का कोर्स

अगर आपको फैशन डिजाइनर बनने में इंटरेस्ट है और आप विदेश जाकर इसका कोर्स करना चाहती हैं, तो यहां हम आपको ऐसी 4 यूनिवर्सिटी के बारे में बताएंगे जहां से आप फैशन डिजाइनिंग का कोर्स कर सकते हैं।

आज के समय में फैशन डिजाइनिंग कोर्स की डिमांड काफी बढ़ गई है। इस कोर्स को करने के बाद कैंडिडेट न केवल आउटफिट डिजाइनर बनते हैं, बल्कि आप इसके बाद जूते, हैंडबैग, आईवियर, टेक्सटाइल आदि किसी भी चीज के लिए डिजाइनर बन सकते हैं। अगर आपको भी फैशन डिजाइनिंग कोर्स करने और डिजाइनर बनने में दिलचस्पी है और आप इसके लिए फॉरेन जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं, तो यहां हम आपके लिए विदेश स्थित कुछ ऐसे विश्वविद्यालय के बारे में बताएंगे, जहां से आप इसकी पढ़ाई कर सकते हैं। तो चलिए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

मैनचेस्टर विश्वविद्यालय

मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, फैशन डिजाइनिंग के लिए दुनिया के टॉप 5 विश्वविद्यालयों में से एक है। इंग्लैंड के मैनचेस्टर में स्थित इस यूनिवर्सिटी में मास्टर ऑफ साइंस (एमएससी), इंटरनेशनल फैशन मार्केटिंग, फैशन टेक्नोलॉजी में बैचलर ऑफ साइंस, फैशन मार्केटिंग में बैचलर ऑफ साइंस और फैशन में बैचलर ऑफ साइंस जैसे पाठ्यक्रम की पढ़ाई होती है। बात इसकी फीस की करें तो यहां की सालाना फीस करीब 32.62 लाख रुपये है।

हांगकांग पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी

द हांगकांग पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय, फैशन और टेक्सटाइल्स में बैचलर ऑफ आर्ट्स जैसे कई पाठ्यक्रमों प्रदान करता है। यहां की सालाना फीस करीब 33.9 लाख रुपये है। अगर आप विदेश जाकर पढ़ना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको अपना समर्थ भी देखना होगा।

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी सिडनी

ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी सिडनी से आप फैशन का कोर्स कर सकते हैं। वे बैचलर ऑफ डिज़ाइन, फैशन एंड टेक्सटाइल्स में बैचलर ऑफ आर्ट्स, बैचलर ऑफ क्रिएटिव इंटेलिजेंस एंड इनोवेशन, इंटरनेशनल स्टडीज और बैचलर ऑफ डिजाइन (फैशन एंड टेक्सटाइल्स) जैसे पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यहां की सालाना फीस करीब 12.36 लाख रुपये है।

कॉर्नेल विश्वविद्यालय, इथाका

संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित कॉर्नेल विश्वविद्यालय भी फैशन डिजाइनिंग का कोर्स करने के लिए एक अच्छा ऑप्शन है। यह बैचलर ऑफ फैशन डिजाइन मैनेजमेंट और बैचलर ऑफ आर्ट्स फैशन डिजाइन नामक दो प्रमुख पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इस यूनिवर्सिटी की सालाना फीस करीब 54.43 लाख रुपये है।

इन सस्ते और बेहतरीन कोर्स से बना सकते हैं करियर

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कर्मचारियों से कुछ एक्स्ट्रा सभी को अच्छा लगता है, लेकिन कंपनियों की उम्मीदों पर खरा उतर पाना शायद किसी के लिए आसान नहीं। इंटरव्यू की बात हो या पहले से ही की जा रही नौकरी में प्रमोशन की हर जगह कुछ एक्स्ट्रा की मांग होती है। यही नहीं अब तो घर में बैठे फ्रीलांस करना हो तो भी लोगों से कई तरह से सर्टिफिकेट मांगे जाते हैं। तो क्यों न फ्यूचर की प्लानिंग हो जाए। अगर आप आगे चलकर कोई कोर्स करने का सोच रही हैं तो हम आपको बताते हैं कुछ बेहतरीन कोर्सेस के बारे में।

कई कोर्स आपको घर बैठे कमाने का मौका भी देंगे। चाहें ऑफिस में कुछ एक्स्ट्रा अपने सीवी में दिखाना हो या फिर घर बैठकर काम करना हो, हर जरूरत के हिसाब से एक कोर्स मिल जाएगा। इन सभी कोर्स के जरिए आप नए ट्रेंड के हिसाब से खुद को अपडेट भी कर सकते हैं।

SEO Course

सर्च इंजन ऑपरेशन यानी SEO कोर्स भले ही सुनने में काफी मुश्किल लगता हो पर ये है नहीं। अगर आप थोड़ा भी डिजिटल वर्ल्ड में एक्टिव हैं और गूगल, फेसबुक, सोशल मीडिया आदि के बारे में थोड़ी बेहतर समझ रखती हैं तो ये प्रोफेशनल कोर्स न सिर्फ किसी कंपनी में अच्छी नौकरी दिलवा सकता है बल्कि ये कोर्स आपको बेहतरीन फ्रीलांस का मौका भी दे सकता है। इस कोर्स में आपको सिखाया जाएगा कि कैसे अपनी वेबसाइट की विजिबिलिटी बढ़ाई जाए। अगर आप नोएडा, दिल्ली, गुड़गांव, मुंबई, बेंगलुरु जैसे कई अन्य बड़ी जगहों पर रहती हैं तो 3-6 महीने के कोर्स प्रोवाइड करवाती हैं। अगर किसी छोटे शहर में रह रही हैं जैसे लखनऊ, भोपाल आदि तो भी वहां कई इंस्टिट्यूट ऐसे हैं जो ये कोर्स ऑनलाइन भी करवाते हैं। इसमें भी अलग-अलग तरह के कोर्स हो सकते हैं जैसे मोबाइल मार्केटिंग, ईमेल मार्केटिंग, कीवर्ड प्लानर आदि सब कुछ। इनमें से कुछ फ्रीलांस और कुछ कंपनियों के लिए बेहतर होते हैं।

फीस - इस कोर्स की फीस जगह के हिसाब से बदल सकती है। ये 7000 रुपए से शुरू होकर 25000 तक जा सकती है।

PPC Course

ये उन लोगों के लिए सबसे बेहतर है जिन्हें फ्रीलांस करना है। इसका मतलब है Pay Per Click, जिसमें सेल्स का काम होता है। सर्च इंजन की मदद से आप पेड एडवर्टाइजिंग का काम करते हैं। इसका सबसे अच्छा फायदा ये है कि रिजल्ट जल्दी मिल जाता है। आजकल लगभग हर बिजनेस इस तरीके का इस्तेमाल कर रहा है। ब्रांड को बढ़ाने के लिए भी इसका इस्तेमाल होता है। इसके लिए PPC कोर्स या गूगल एडवर्ड कोर्स के नाम से अपने लिए बेहतर ऑप्शन चुन सकती हैं आप।

फीस - इसकी फीस 15000 से शुरू हो सकती है। ये इस बात पर निर्भर करती है कि आप कौन से शहर में रहती हैं।

Content Writing Course

फ्रीलांसिंग के लिए सबसे अच्छे कुछ कोर्स में से एक है कंटेंट राइटिंग कोर्स। अगर आपको लिखने का शौख है तो आप अपने पैशन को करियर भी बना सकती हैं। इसमें सिर्फ फ्रीलांसिंग ही नहीं बल्कि फुल टाइम जॉब के भी बहुत विकल्प होते हैं। साथ ही, कई मीडिया हाउस बेहतरीन मौका दे सकते हैं। यही नहीं अगर इंग्लिश और हिंदी दोनों ही अच्छी हैं तो आपके लिए कई तरह से मुमकिन है कि न सिर्फ मीडिया हाउस में बल्कि आप कई कंपनियों में फ्रीलांसिंग के लिए अप्लाई कर सकती हैं।

फीस - कंटेंट राइटिंग के लिए वीकएंड क्लास और वीकडे क्लास दोनों वाला कोर्स उपलब्ध है। इसकी फीस भी 8000 रुपए से शुरू हो सकती है।

Makeup Course

मेकअप का मतलब यहां रोजमर्रा के लिए सज कर जाना या ब्यूटीपार्लर के सेल्फ कोर्स से नहीं है। यहां बात हो रही है प्रोफेशनल मेकअप इंस्टिट्यूट से कोर्स करने की। इसमें ब्राइडल मेकअप, एयरब्रश मेकअप आदि के कोर्स उपलब्ध हैं। कई एप्स जैसे अर्बनक्लैप आदि ऐसे प्रोफेशनल्स को बहुत बेहतरीन मौका देते हैं और महीने का 1.5 लाख तक कमाया जा सकता है। पर शर्त ये है कि ये कोर्स प्रोफेशनल इंस्टिट्यूट से किया गया हो।

फीस - इस कोर्स की फीस आपकी जरूरत के हिसाब से हो सकती है। इसकी कीमत 15000 रुपए से शुरू होती है, लेकिन अगर इंस्टिट्यूट काफी अच्छा है तो ये महंगा भी साबित हो सकता है।

Nail Art Course

ये शॉर्ट टर्म कोर्स है और अगर आपने ब्यूटी इंडस्ट्री में करियर बनाने का सोच लिया है तो फिर नेल आर्ट और नेल एक्सटेंशन कोर्स एक ट्रेंडी विकल्प साबित हो सकता है। ये काफी डिमांड में है और कई सारे ब्यूटी इंस्टिट्यूट प्रोफेशनल ट्रेनिंग भी देते हैं। इसमें सिर्फ नेल आर्ट ही नहीं बल्कि नाखूनों से जुड़ी बीमारियों आदि की जानकारी भी दी जाएगी।

फीस - इस कोर्स की फीस 3000 रुपए से शुरू हो सकती है।

अपनी जरूरत के हिसाब से आप अपना कोर्स चुन सकते हैं और सबसे अच्छा तरीका ये होगा कि जिस भी इंस्टिट्यूट को चुनें उसके बारे में पूरी जानकारी ले लें। सर्टिफिकेशन कोर्स ही बेहतर होते हैं इसलिए बिना सर्टिफिकेट वाला कोई कोर्स न चुनें।

बाबा साहब ने देश ही नहीं, दुनिया को दिखाई राह

समाज के सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार: सीएम भजनलाल शर्मा

जयपुर। बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने देश ही नहीं, पूरी दुनिया को राह दिखाई है। बाबा साहब ने अन्तिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान का जो सपना देखा था, उसे पूरा करने के लिए यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने चार जातियों युवा, महिला, किसान और मजदूर के सशक्तीकरण के लिए दूरगामी कदम उठाए हैं और प्रदेश के हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। शर्मा सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर का संविधान निर्माण में अतुलनीय योगदान रहा है। उन्होंने सबसे बड़ा

संविधान देकर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश बनाया। भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. अम्बेडकर ने पीड़ित, शोषित, वंचित और उपेक्षित लोगों के लिए भेद-भाव रहित समाज का मार्ग दिखाया है। शर्मा ने कहा कि बाबा साहब ने सभी वर्गों में शिक्षा पर जोर दिया और महिला सशक्तीकरण तथा श्रम सुधार के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दुनिया उनके सामाजिक दर्शन और कानूनी ज्ञान का लोहा मानती है और उन्हें सिंबल ऑफ नॉलेज भी कहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन गांवों में 50 प्रतिशत से अधिक अनुसूचित जाति की आबादी है, वहां बाबा साहब अम्बेडकर संबल योजना शुरू की जा रही है। इस योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति बाहुल्य गांवों में आधारभूत संरचना एवं विकास के कार्य सुनिश्चित हो सकेंगे। इसके लिए 250 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवपीढ़ी को डॉ. साहब के योगदान से परिचित कराने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय किए। प्रधानमंत्री ने बाबा साहब के जीवन से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थानों जन्म भूमि (महू), दीक्षा भूमि (नागपुर), महापरिनिर्वाण भूमि (दिल्ली), चैत्य भूमि (मुंबई) और शिक्षा भूमि (लंदन) को पंच तीर्थ के रूप में विकसित किया है। साथ ही, उन्होंने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की। शर्मा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनकी इसी भावना को सम्मान देते हुए प्रधानमंत्री की पहल पर संविधान संशोधन किया गया और लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं

मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना से दुर्लभ बीमारियों का निःशुल्क इलाज

शर्मा ने दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित बच्चों के लिए मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना के अंतर्गत डीबीटी के माध्यम से राशि हस्तांतरित की। इस योजना के अंतर्गत 18 वर्ष तक के बच्चों को 56 दुर्लभ बीमारियों के लिए 50 लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियां बाबा साहब के आदर्शों को जाने-समझें और प्रेरणा लें। इसी क्रम में आज डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर के तहत अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ कॉन्स्टिट्यूशनल स्टडीज एंड रिसर्च की शुरुआत की गई है। इस अवसर पर शर्मा ने घोषित नशामुक्ति केंद्रों का भी संचालन प्रारंभ किया। मुख्यमंत्री ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी, आर्थिक कमजोर वर्ग और दिव्यांग जनों को संबल देने के लिए अनुजा निगम और अल्पसंख्यक विकास निगम द्वारा दिए गए बकाया ऋणों के मामलों को निपटाने हेतु वन टाइम सेटलमेंट स्कीम के दिशा-निर्देश जारी किए और स्वच्छकारों को सेफ्टी किट वितरित किए। साथ ही, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों को औद्योगिक भूखंड के पट्टों का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने मस्कुलर डिस्ट्रोफी पीड़ितों को इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर भी प्रदान की।

दंडित होंगे ज्ञानदेव आहूजा, जो गलत करेगा उसे सजा मिलेगी: राठौड़

जोधपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मंदिर में गंगा जल छिड़ककर विवादों में घिरे पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा को दंडित किए जाने के संकेत दिए हैं। सोमवार को जोधपुर दौरे के दौरान मीडिया से बात करते हुए इस मुद्दे पर पार्टी का मत स्पष्ट करते हुए कहा - भाजपा सदस्य बनने की पहली शर्त यही है कि मैं किसी भी तरह की अस्पृश्यता बर्दाश्त नहीं करूंगा। लिंग, जाति, धर्म का भेदभाव नहीं करुंगा। किसी व्यक्ति ने जो कुछ भी गलत काम किया, उस पर तत्काल कदम उठाया और निलंबित कर जवाब तलब किया। जो जवाब आया उसे अनुशासन कमेटी को सौंप दिया गया है। दंडित किया जाएगा लेकिन उससे पहले प्रक्रिया पूरी करना होती है। राठौड़ ने कहा - 'मुझे लगता है जो गलत काम

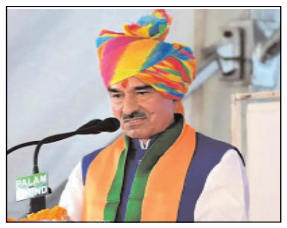

करेगा, उसे दंडित किया जाएगा। राठौड़ ने कहा- जैसा कि किसी भी दल हो, किसी को भी दंडित करने से पहले सुनवाई का पूरा अवसर दिया जाता है, उसके बाद निर्णय होता है। कानून में भी ऐसा ही होता है। मुझे लगता है...दंडित किया जाएगा...लेकिन मैं अध्यक्ष होने के नाते पहले ही कुछ कहूं, वो न्यायसंगत नहीं होगा। इस बातचीत में राठौड़ ने आहूजा की ओर से दिए जवाब का भी जिक्र करते हुए कहा कि उनका कहना था कि जाति को लेकर वे भेदभाव नहीं करते। राठौड़ ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का पिछड़ों को आगे लाने में अहम योगदान रहा है। उनकी ही तरह पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भी एकात्म मानववाद का सिद्धांत दिया। उन दोनों का यही मत रहा कि समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति का भी भला हो। हमारे विरोधी उनके नाम पर सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए, बाबा साहब के नाम का दुरुपयोग कर रहे हैं, वो उचित नहीं है। भाजपा की पूर्ववर्ती सरकार द्वारा मंदिर माफी की भूमि से पुजारियों के खातेदारी में नाम होने के बावजूद उन्हें भी बेदखल करने के सवाल पर राठौड़ ने कहा कि मंदिर की संपत्ति ठाकुरजी की है। वो उनकी ही रहेगी। हमने कभी पुजारियों का हक नहीं छीना है।

कोर्ट के आदेश में बड़ा खुलासा..मुंबई जैसा ही आतंकी हमला दिल्ली में भी करना चाहता था तहव्वुर राणा

नई दिल्ली/ एजेंसी। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा ने एक और आतंकी हमले के लिए नई दिल्ली को चुना था। दिल्ली की एक अदालत ने अपने आदेश में ये बात कही है। कोर्ट ने कहा कि राणा की साजिश सिर्फ मुंबई तक ही सीमित नहीं थी। यह साजिश भारत की भौगोलिक सीमाओं से बाहर भी फैली हुई थी। जांच एजेंसी एनआईए को इस बात के पर्याप्त सबूत मिले हैं। विशेष एनआईए जज चंद्रजीत सिंह ने 10 अप्रैल को यह आदेश दिया। अदालत ने कहा कि राणा पर लगे आरोप राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हैं। तहव्वुर राणा अभी दिल्ली में है। उस पर भारत में आतंकी साजिश रचने का आरोप है। अदालत ने एनआईए को राणा से पूछताछ करने की इजाजत दे दी है। एनआईए अब राणा से पूछताछ करके साजिश की पूरी जानकारी निकालेगी। एक सूत्र ने बताया कि विशेष एनआईए जज चंद्रजीत सिंह ने 10 अप्रैल को एक आदेश पारित किया था। जज ने 12 पेज के आदेश में यह भी कहा कि रिकॉर्ड में मौजूद सबूत दिखाते हैं कि तहव्वुर राणा की साजिश

भारत की सीमाओं से बाहर तक फैली थी।

साजिशकर्ता नई दिल्ली समेत भारत के कई शहरों में हमले करने की योजना बना रहे थे। जज ने कहा कि साजिश की गहराई तक जाने के लिए राणा से लगातार पूछताछ करना जरूरी है। अदालत ने राणा को 18 दिन की एनआईए हिरासत में भेज दिया है। न्यायाधीश ने कहा कि राणा का सामना गवाहों, फोरेंसिक सबूतों और दस्तावेजी सबूतों से कराया जाना चाहिए। इससे मामले की सच्चाई सामने आ सकेगी। जज ने यह भी कहा कि एनआईए को हर 48 घंटे में राणा की मेडिकल जांच करानी चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता दयान कृष्णन और विशेष सरकारी वकील नरेंद्र मान ने अदालत में एनआईए का पक्ष रखा। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए राणा को उन जगहों पर ले जा सकती है, जहां हमले की साजिश रची गई थी। इससे जांच एजेंसी को साजिश के बारे में और जानकारी मिल सकती है। एनआईए घटना वाली जगहों का नाट्य रूपांतरण भी कर सकती है। इससे एनआईए को आतंकी गिरोह के बारे में गहरी जानकारी मिलेगी। पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा मुंबई हमलों का मुख्य साजिशकर्ता है।

राजस्थान में आज से बदलेगा अदालतों का समय, हाईकोर्ट से लेकर अधीनस्थ अदालतों में दोपहर 1 बजे तक होगी सुनवाई

जयपुर। राजस्थान की अदालतों में 15 अप्रैल से समय बदलेगा। हाईकोर्ट से लेकर प्रदेश की अधीनस्थ अदालतें अब सुबह की शिफ्ट में चलेगी। हाईकोर्ट में सुबह 8 बजे लेकर दोपहर 1 बजे तक और अधीनस्थ अदालतों में सुबह 8 बजे से लेकर दोपहर 12.30 बजे तक सुनवाई होगी। अदालतें 27 जून तक मॉर्निंग शिफ्ट में काम करेगी। प्रदेश में अदालतों की स्थापना के बाद से ही गर्मियों में कोर्ट्स मॉर्निंग शिफ्ट में संचालित होती है। जुलाई से फिर अदालतें अपने रूटीन समय पर संचालित होगी। नई समय सारिणी के तहत हाईकोर्ट में रजिस्ट्री और अधीनस्थ न्यायालयों में कार्यालय का समय सुबह साढ़े 7 बजे से

दोपहर 1 बजे तक रहेगा। अधीनस्थ अदालतों में जजेज कोर्ट रूम के अलावा अपने चैम्बर में सुबह साढ़े 7 से 8 बजे तक और दोपहर को साढ़े 12 बजे से 1 बजे तक काम करेंगे।

मेहनत नहीं तो कांग्रेसी कहलाने का अधिकार नहीं, रस्म अदायगी से काम नहीं चलेगा: डोटासरा

जयपुर। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने काम नहीं करने वाले, बीजेपी और सरकार के खिलाफ नहीं बोलने वाले कांग्रेस नेताओं पर तंज कसा है। अंबेडकर जयंती पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे डोटासरा ने कहा- जूली साहब ने ठीक कहा कि ये सरकारें तोड़ देते हैं, आप बोलते नहीं हैं। आपको किस बात का डर है, जेल जाने का। भगत सिंह जैसे दीवाने तो जेल छोड़ो देश के लिए फांसी पर चढ़ गए। आप और हम आने वाले कल के लिए, संविधान के लिए थोड़ी मेहनत और थोड़ा साहस नहीं कर सकते तो आपको कांग्रेसी कहलाने का अधिकार नहीं है। डोटासरा ने कहा- रस्मअदायगी से काम नहीं चलेगा। रस्म

अदायगी ने देश में हमें 50 तक पहुंचा दिया,अभी 100 हैं। अगर हमें राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना है तो सबको कंधा मिलाकर काम करना पड़ेगा। डोटासरा ने कांग्रेस के निष्क्रिय नेताओं पर तंज कसते हुए कहा- केवल गाड़ी के आगे नेम प्लेट लगाकर और किसी मीटिंग में आधे घंटे आकर अपने आप को नेता कहते हैं। यह ठीक नहीं है। हमें संविधान की रक्षा करनी है। उठ खड़े होना होगा। लोगों के बीच जाना होगा। केवल बातों से काम नहीं चलता है। एक महीने तक संविधान रक्षा का अभियान चलेगा। जो इसमें भाग लेगा, वही नेता होगा। ऐसे काम नहीं चलेगा। अगर हमने विरोध नहीं किया तो इतिहास हमें माफ नहीं करेगा। गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा- वन स्टेट वन इलेक्शन को लेकर कोई कानून में बदलाव नहीं किया। इसके बावजूद प्रशासक लगा दिए। पांच साल में चुनाव करवाने के प्रावधान के बावजूद ये साल भर तक चुनाव आगे खिसका रहे हैं। यह क्या संविधान को नहीं तोड़ रहे? यह संविधान का उल्लंघन नहीं कर रहे हैं क्या? कुछ लोग इसलिए खुश हो रहे होंगे कि उनका 6 महीने 12 महीने कार्यकाल बढ़ गया। हिम्मत पैदा करो। अच्छे काम करोगे तो दोबारा 5 साल के लिए आ जाओगे। यह संविधान में कहीं नहीं था कि जब आप मर्जी हो तब चुनाव करवाओगे। डोटासरा ने कहा- कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आने वाले दिनों में खुद को फील्ड में झोंकना होगा। संविधान बचाने के अभियान में जो काम करेगा, फील्ड में खुद को झोंकेगी वही हमारा नेता है। केवल बातों से काम नहीं चलता है। समय रहते सरकार की गलत नीतियों का विरोध करना होगा। मंडल से लेकर हर स्तर की की बैठक लीजिए। जो पदाधिकारी तीन महीने बैठक में नहीं आया तो नया पदाधिकारी बना देंगे।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में दो सिखों समेत 10 आतंकवादी गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत मे पुलिस ने दो सिखो समेत 10 आतंकवादियो को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।पंजाब पुलिस के आतंकवाद-निरोधी विभाग (सीटीडी) के प्रवक्ता के अनुसार, पंजाब के विभिन्न इलाको मे अभियान के दौरान 10 आतंकवादियो को गिरफ्तार कर एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम कर दिया गया। उन्होने कहा, गिरफ्तार आतंकवादियो मे दो पाकिस्तानी सिख सूरज सिंह और बादल सिंह शामिल है। दोनो सिखो को रावलपिंडी से गिरफ्तार किया गया है। वे पंजाब के ननकाना साहिब जिले से है और जेय सिंध मुत्ताहिदा महाज के सक्रिय सदस्य है। यह एक अलगाववादी राजनीतिक पार्टी है, जो सिंध प्रांत को पाकिस्तान से अलग किए जाने की वकालत करती है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि पिछले सप्ताह प्रांत के विभिन्न जिलो मे खुफिया सूचना के आधार पर 189 अभियान चलाए गए और 10 आतंकवादियो को गिरफ्तार किया गया तथा हथियार, विस्फोटक और अन्य प्रतिबंधित सामग्री बरामद की गई। उन्होने बताया कि गिरफ्तार किए गए अन्य आठ आतंकवादी प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के है। उन्होने कहा, आतंकवादियो ने रावलपिंडी और पंजाब के अन्य शहरो मे महत्वपूर्ण इमारतो को निशाना बनाने की साजिश रची थी।

काठमांडू में ड्रोन के जरिए भोजन, दवा की आपूर्ति का सफल प्रदर्शन

काठमांडू। देश की सबसे बड़ी हाइपर-लोकल ड्रोन आपूर्ति कंपनी स्काई एयर ने नेपाल की राजधानी काठमांडू मे एक किलोग्राम तक भोजन और अन्य जरूरी वस्तुओ की आपूर्ति का प्रदर्शन किया है। सोमवार को एक बयान मे यह जानकारी दी गई है। विश्व बैंक के सहयोग से नेपाली सरकार द्वार आयोजित दक्षिण एशिया ड्रोन फोरम 2025 मे, स्काई एयर ने यहां नामित ड्रोन कॉरिडोर पर अपने प्रमुख स्काई शिप वन ड्रोन का उपयोग करके सामान पहुंचाने का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। बयान के मुताबिक, यह प्रदर्शन एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है - नेपाल का पहला ड्रोन-डिलीवरी वाला खाद्य पैकेज, जो सीमाओ के पार ड्रोन तकनीक के मापनयोग्य, वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगो की क्षमता को रेखांकित करता है। बयान मे कहा गया है कि इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए स्काई एयर ने दक्षिण एशियाई कंपनियो के बीच भारत के गहन प्रौद्योगिकी नवाचार और मानव-रहित यातायात प्रबंधन और ड्रोन लॉजिस्टिक कौशल की ताकत का प्रदर्शन किया। इस मौके पर स्काई एयर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अंक्ति कुमार ने कहा, हमे इस वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने और यह दिखाने पर गर्व है।

नेपाल के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने नववर्ष पर शुभकामनाएं दीं

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने सोमवार को नेपाली नववर्ष विक्रम संवत 2082 पर शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति के संदेश मे कहा गया,इस दिन मै सभी लोगो से राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि के लिए उत्साह के साथ एकजुट होने तथा साझा प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करता हूं।एक अलग संदेश मे प्रधानमंत्री ओली ने कहा दिया कि समृद्ध राष्ट्र के निर्माण और अपने लोगो की खुशी सुनिश्चित करने के साझा लक्ष्य को प्राप्त करने के वास्ते प्रत्येक नागरिक को सकारात्मक सोच, व्यवहार और आंतरिक शक्ति अपनानी चाहिए। देश-विदेश मे रहने वाले नेपालियो को नववर्ष 2082 विक्रम संवत की शुभकामनाएं देते हुए ओली ने आशा व्यक्त की कि यह वर्ष सभी के जीवन मे खुशी, शांति, समृद्धि, प्रगति, सफलता और नया उत्साह लेकर आएगा।

शेख हसीना की भतीजी और ब्रिटेन की सांसद ट्यूलिप सिद्दीक का भ्रष्टाचार के आरोपो से इनकार

लंदन

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की भतीजी और ब्रिटिश संसद में लेबर पार्टी की सदस्य ट्यूलिप सिद्दीक ने अपने खिलाफ ढाका के भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट की खबर सामने आने के बाद किसी भी तरह का गलत काम करने से इनकार किया है। सिद्दीक ने इस साल जनवरी में ब्रिटेन के वित्त मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था और कहा था कि उनके पारिवारिक संपर्क प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर के नेतृत्व वाली सरकार के काम में बाधा बन रहे हैं। उनके प्रवक्ता ने गत सप्ताहांत एक बयान में कहा कि सिद्दीक के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप पूरी तरह से झूठे थे और उनके वकीलों ने इससे निपटा था। बयान में कहा गया है, एसीसी ने सुश्री सिद्दीक को कोई जवाब नहीं दिया है या सीधे या उनके वकीलों के माध्यम से उन पर कोई आरोप नहीं लगाया है। सुश्री सिद्दीक को ढाका में उनके संबंध में चल रही सुनवाई के बारे में कुछ भी पता नहीं है और उन्हें किसी भी गिरफ्तारी वारंट के बारे में कोई जानकारी नहीं है, जिसके जारी होने की बात कही जा रही है। विशिष्ट दावों के संदर्भ में प्रवक्ता ने जोर देकर कहा कि लंदन में रह रहीं सिद्दीक के खिलाफ लगाए जाने वाले किसी भी आरोप का कोई आधार नहीं है और इस आरोप में कतई सच्चाई नहीं है कि उन्होंने अवैध तरीकों से ढाका में एक भूखंड हासिल किया है। उत्तरी लंदन के हैम्पस्टीड और हाईगेट से 42 वर्षीय लेबर सांसद ने आरोपों से खुद को दूर रखने का प्रयास किया और अपने त्यागपत्र में दोहराया कि उनके पारिवारिक संबंध सार्वजनिक रिकॉर्ड का विषय हैं। ब्रिटेन और बांग्लादेश के बीच कोई औपचारिक प्रत्यर्पण संधि नहीं है, इसलिए बांग्लादेशी गिरफ्तारी वारंट जारी होने की खबर के बाद आगे की कार्वाई को लेकर अस्पष्टता बनी हुई है।

पाकिस्तान में बैसाखी समारोह में हजारों सिख हुए सम्मिलित

इस्लामाबाद। गुरुद्वारा जन्मस्थान ननकाना साहिब में बैसाखी उत्सव के मुख्य समारोह में हजारों सिख शामिल हुए जबकि पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने इस अवसर पर समुदाय को शुभकामनाएं दीं। समारोह में हिस्सा लेने वाले सिखों में भारत से आए सिख भी शामिल थे। बैसाखी सिख नववर्ष और 1699 में गुरु गोबिंद सिंह के नेतृत्व में खालसा पंथ की स्थापना का प्रतीक है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के पवित्र स्थलों की देखभाल करने वाले इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के अनुसार, गुरु नानक देव के जन्मस्थान पर खालसा स्थापना समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय सिखों सहित लगभग 10,000 विदेशी सिख शामिल हुए। ईटीपीबी प्रवक्ता गुलाम मुहयुद्दीन ने पीटीआई-भाषा को बताया, 10,000 विदेशी सिखों में से 6,700 भारत से आए थे और अन्य कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों से आए थे। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में आए सिखों की सुविधा के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 50 साल में पहली बार पाकिस्तान सरकार ने सद्भावना के तौर पर बैसाखी के त्योहार के लिए भारतीय सिख तीर्थयात्रियों को 6,700 से अधिक वीजा जारी किए हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अपने संदेश में कहा कि बैसाखी पाकिस्तान की सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता में सुंदरता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय पाकिस्तान की प्रगति और समृद्धि में प्रमुख भूमिका निभा रहा है।उन्होंने कहा, हमारा संविधान अल्पसंख्यकों के लिए पूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता, समान अधिकार और सुरक्षा की गारंटी देता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अंतरधार्मिक सद्भाव, सहिष्णुता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि यह त्योहार रबी की फसल पकने का प्रतीक है।

सीबीएस और 60 मिनट्स को बड़ी कीमत चुकानी होगी: ट्रंप

वाशिंगटन

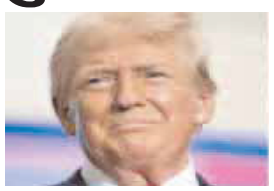

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को अमेरिकी टेलीविजन पर प्रसारित होने वाली समाचार पत्रिका सीबीएस द्वारा अपने कार्यक्रम 60 मिनट्स में यूक्रेन और ग्रीनलैंड पर कार्यक्रम प्रसारित करने के तुरंत बाद सीबीएस और 60 मिनट्स पर तीखा हमला करते हुए कहा कि टेलीविजन नेटवर्क नियंत्रण से बाहर हो गया है और उनके पीछे पड़ने के लिए उसे बड़ी कीमत चुकानी होगी। राष्ट्रपति ने अपने ट्रुथ सोशल पर कहा, लगभग हर हफ्ते 60 मिनट्स में... अपमानजनक और बदनाम करने वाले तरीके से ट्रंप का नाम लिया जाता है, लेकिन इस सप्ताहांत का प्रसारण उन सभी कार्यक्रमों से ऊपर है। उन्होंने संघीय संचार आयोग (एफसीसी) के अध्यक्ष ब्रेंडन कार से उनके गैरकानूनी और अवैध व्यवहार के लिए अधिकतम जुर्माना और दंड देने का आह्वान किया। ट्रंप ने पिछले साल डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस के साथ एक साक्षात्कार को संपादित करने के तरीके को लेकर 60 मिनट्स के खिलाफ 20 अरब डॉलर का मुकदमा दायर किया है। राष्ट्रपति का दावा है कि हैरिस को अच्छा दिखाने के लिए कार्यक्रम को संपादित किया गया था। हालांकि चैनल ने इस बात से इनकार किया है। ऐसी खबरें हैं कि ट्रंप के वकील और सीबीएस की मूल कंपनी समझौता वार्ता में शामिल हैं। कार और एफसीसी ने उसी मामले के बारे में सीबीएस न्यूज की समानांतर जांच शुरू की है, जो उन कई मामलों में से एक है जिसमें एबीसी न्यूज , एनबीसी , पीबीएस , एनपीआर और वॉल्ट डिजनी कंपनी भी शामिल हैं। कानूनी लड़ाई के बावजूद 60 मिनट्स ने ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बाद से उनके प्रशासन की कवरेज में कोई कमी नहीं की है, खासकर संवाददाता स्कॉट पेली ने।

न्यूयॉर्क में विमान हादसा, भारत में जन्मी चिकित्सक और उसके परिजनों की मौत

न्यूयॉर्क

भारत में जन्मी एक चिकित्सक और उसके परिवार के सदस्यों की बीते सप्ताहांत न्यूयॉर्क के पास एक विमान हादसे में उस समय मौत हो गई, जब वे एक जन्मदिन समारोह में शामिल होने के लिए कैट्सकिल जा रहे थे। मीडिया में आई खबरों के अनुसार, प्रसिद्ध यूरोगायनेकोलॉजिस्ट डॉ. जॉय सैनी, उनके पति न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ. माइकल ग्रॉफ, बेटी करीना ग्रॉफ और बेटा जेरेड ग्रॉफ जिस निजी विमान में सवार थे, वह 12 अप्रैल को दोपहर लगभग 12:06 बजे न्यूयॉर्क के क्रैरीविले के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। खबरों के मुताबिक, जॉय और उनके परिवार के सदस्य न्यूयॉर्क के व्हाइट प्लेन्स स्थित वेस्टचेस्टर काउंटी हवाई अड्डे पर ग्रॉफ के निजी विमान में सवार हुए थे। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) ने कहा कि हादसे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं है और उसके जांचकर्ता साक्ष्य एकत्र कर रहे हैं तथा चश्मदीदों से पूछताछ कर रहे हैं। एनटीएसबी ने बताया कि मृतकों में जेरेड ग्रॉफ की गर्लफ्रेंड एलेक्सिया कोयुट्स डुआर्ते और करीना ग्रॉफ का बॉयफ्रेंड जेम्स सैंटोरो भी शामिल हैं। खबरों के अनुसार, जॉय और उनके परिवार के सदस्य एक जन्मदिन समारोह में शामिल होने के लिए कैट्सकिल्स की यात्रा कर रहे थे।

नोबोआ फिर से इक्वाडोर के राष्ट्रपति चुने गए

क्विटो (इक्वाडोर)। इक्वाडोर के मतदाताओं ने रविवार को डेनियल नोबोआ को फिर से अपना राष्ट्रपति चुना। रूढ़िवादी युवा करोड़पति नोबोआ का अपराध के खिलाफ लड़ाई में रिकॉर्ड बेबाक रहा है। हालांकि उनके प्रतिद्वंद्वियों ने इसे चुनावी धोखाधड़ी बताते हुए पुनर्मतगणना की मांग करने का संकल्प जताया। इक्वाडोर की राष्ट्रीय चुनाव परिषद द्वारा जारी किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि 90 प्रतिशत से अधिक मतों की गिनती के साथ नोबोआ को 55.8 प्रतिशत वोट मिले, जबकि वामपंथी वकील लुइसा गोंजालेज को 44 प्रतिशत वोट मिले। इक्वाडोर की शीर्ष निर्वाचन अधिकारी डायना अटामेंट ने कहा कि परिणामों में नोबोआ के पक्ष में कोई बदलाव नहीं दिखा। इस जीत से नोबोआ को 2023 में किए गए वादों को पूरा करने के लिए चार साल का और समय मिल गया है। 2016 में उन्होंने अपने सीमित राजनीतिक अनुभव के बावजूद चुनाव जीतकर और 16 महीने का राष्ट्रपति पद हासिल कर मतदाताओं को चौंका दिया था।

नीति निर्माताओं और लोगों के बीच अंतर के कारण नैतिक जवाबदेही का अभाव : सत्यार्थी

दुबई

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने दुबई में आयोजित वैश्विक न्याय, प्रेम और शांति शिखर सम्मेलन के समापन अवसर पर कहा कि निर्णयकर्ताओं और वे जिन लोगों के लिए निर्णय ले रहे हैं, उनके बीच गंभीर अंतर है, और यह अंतर बढ़ता ही जा रहा है। उन्होंने 12 और 13 अप्रैल को दुबई में आयोजित सम्मेलन के समापन दिवस पर यह बात कही। सत्यार्थी ने रविवार को सम्मेलन के इतर पीटीआई-भाषा से विशेष बातचीत में यह विचार साझा किए।रविवार देर शाम आयोजित एक सत्र में सत्यार्थी ने 11 अन्य नोबेल पुरस्कार विजेताओं के साथ मिलकर सामाजिक परिवर्तन की दिशा में अपने प्रयासों के दौरान नौकरशाही और समाज की उदासीनता से जुड़े अनुभव साझा किए।उन्होंने कहा, यह स्थिति गंभीर नैतिक जवाबदेही और जिम्मेदारी की कमी की ओर ले जा रही है। हम कानूनी जवाबदेही, नियमों और कानूनों की बात करते हैं, लेकिन नैतिक जिम्मेदारी उससे कहीं गहरी होती है और लोगों को जवाबदेह ठहराने में उसकी भूमिका अहम है। यह जीवन के हर क्षेत्र में दिखती है, लेकिन खासकर वहां जहां फैसले लिए जाते हैं। इस सत्र में भाग लेने वाले अन्य नोबेल शांति पुरस्कार विजेताओं में ट्यूनीशिया के अब्देस्सत्तार बेन मौसा, मोहम्मद फाधेल महफूद, ओउइदेद बुशामाउई और हौसीन अब्बासी, पोलैंड के लेच वलेसा, लाइबेरिया की लेमाह गबोवी, श्रीलंका के मोहन मुनसिंघे, इराक की नादिया मुराद और ईरान की शिरीन एबादी शामिल थे। पूर्वी तिमोर के जोस मैनुएल रामोस होर्ता और कोस्टा रिका के ऑस्कर एरियस सांचेज ने कार्यक्रम में वर्चुअली भाग लिया।सत्यार्थी ने कहा कि उन्होंने नैतिक जवाबदेही की कमी से निपटने के लिए सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कम्पैशन की शुरुआत की है, जिसमें कई नोबेल विजेताओं और विश्व के नेताओं का सहयोग है। उन्होंने कहा कि करुणा की कमी से यह समस्या उत्पन्न हो रही है।उन्होंने स्पष्ट किया, जब मैं करुणा की बात करता हूं, तो मैं दया, सहानुभूति, प्रेम या परोपकार की बात नहीं कर रहा हूं। ए अच्छे मानवीय गुण हैं, लेकिन ए उस गहराई से जड़े जमाए बैठी उन समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते जो व्यवस्था में असमानता और भेदभाव से उपजी हैं बच्चों के अधिकारों के प्रबल पक्षधर सत्यार्थी ने भारत सरकार से आग्रह किया कि वह सहिष्णुता बढ़ाने की दिशा में संयुक्त अरब अमीरात से सीख ले, जहां स्कूली बच्चों में सहिष्णुता की भावना को विकसित किया जा रहा है।उन्होंने कहा, मैं यह भी कहूंगा कि दुनिया की सभी सरकारों को अपने नागरिकों को सह-अस्तित्व, सहिष्णुता और एक-दूसरे को सुनने की कला सिखानी चाहिए।

यमन में संदिग्ध अमेरिकी हवाई हमलों में छह की मौत : हूती विद्रोही

दुबई

यमन में हूती विद्रोहियों के कब्जे वाली राजधानी के आसपास संदिग्ध अमेरिकी हवाई हमलों में कम से कम छह लोग मारे गए और 30 अन्य घायल हो गए। हूतियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।हूतियों के विरुद्ध अमेरिकी कार्रवाई की शुरुआत लगभग एक महीने पहले हुई थी। पश्चिम एशिया के समुद्री क्षेत्र में जहाजों पर हूतियों के हमलों को लेकर अमेरिकी बल हूती विद्रोहियों को निशाना बना रहे हैं। हूतियों ने इजराइल-हमास युद्ध के मद्देनजर पश्चिम एशियाई समुद्री क्षेत्र में जहाजों को निशाना बनाने की धमकी दी थी।हूतियों के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी हताहतों के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिकी कार्वाई में अब तक 120 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। हूती नियंत्रित समाचार चैनल अल-मसीरा द्वारा प्रसारित फुटेज में दमकलकर्मी एक स्थान पर लगी आग काबू पाते दिख रहे हैं। फुटेज में सड़क पर मलबा बिखरा नजर आ रहा है और बचावकर्मी एक व्यक्ति को दुर्घटनास्थल से ले जाते दिख रहे हैं।

संजय दत्त की फिल्म 'द भूतनी' की रिलीज डेट बदली, जाने-कब सिनेमाघरों में देगी दस्तक

हॉरर एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'द भूतनी' के निमार्ताओं ने इसकी रिलीज डेट बदलने का फैसला किया है. संजय दत्त की इस फिल्म को अब 1 मई को रिलीज किया जाएगा. फिल्म के वीएफएक्स पर काम चल रहा है और निमार्ता दर्शकों को बेहतरीन सिनेमाई अनुभव देने का पूरा प्रयास कर रहे हैं. ''द भूतनी'' की नई रिलीज डेट शेयर करते हुए निमार्ताओं ने बताया, ''इंसान मोहब्बत की डेट फिक्स कर सकता है, भूतनी के आने की नहीं... वो कब आएगी, कैसे आएगी, ये सिर्फ वही जानती है. लगा था कि 18 अप्रैल को आएगी, लेकिन अब 1 मई को आ रही है, तैयार रहना.''

फिल्म के ट्रेलर को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है. संजय दत्त के अलावा, ''द भूतनी'' में मौनी रॉय, सनी सिंह, पलक तिवारी, बियॉनिक और आसिफ खान भी अहम भूमिकाओं में हैं. 'द भूतनी' को सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स प्रस्तुत कर रहे हैं, जिसे सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के बैनर तले दीपक मुकुट, संजय दत्त, हुनर मुकुट और मान्यता दत्त ने प्रोड्यूस किया है. यह फिल्म जी स्टूडियो के साथ 1 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

अगर भूतनी 18 अप्रैल को रिलीज होती, तो इसकी सीधी टक्कर अक्षय कुमार की 'केसरी चैप्टर 2' से होती. हाल ही में, फिल्म में युवा संजय दत्त का किरदार निभाने वाले नवनीत मलिक ने अपनी भूमिका की तैयारी के दौरान आई चुनौतियों के बारे में बताया. नवनीत मलिक ने बताया कि, ''संजय दत्त जैसे महान अभिनेता के साथ काम करना वाकई खुशी की बात है. फिल्म में मैं खुद संजय दत्त का किरदार निभा रहा हूं, लेकिन मैं अभी पूरी कहानी या अपने किरदार के बारे में ज्यादा नहीं बताऊंगा. मैं चाहता हूं कि सभी थिएटर में फिल्म देखें और फिर हम इस पर बात कर सकते हैं.

1 करोड़ कमाने में भी नाकामयाब हुई सलमान खान की 'सिकंदर', मंडे को हुआ हाल-बेहाल

सलमान खान की सिकंदर एक्शन से भरपूर है. इस फिल्म का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे मगर जब ये फिल्म आई तो लोगों को इंप्रेस नहीं कर पाई. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाई नहीं कर पा रही है. सिकंदर को रिलीज हुए 16 दिन हो गए हैं और अब इसने तीसरे सोमवार को सबसे कम कमाई की है. सिकंदर अब 1 करोड़ का कलेक्शन भी नहीं कर पा रही है. आइए आपको इसके 16वें दिन के कलेक्शन के बारे में बताते हैं.

सिकंदर में सलमान खान के साथ रश्मिका मंदाना लीड रोल में नजर आई हैं. सलमान और रश्मिका की जोड़ी को ट्रेलर के बाद अच्छा रिस्पॉन्स मिला था मगर रिलीज के बाद ये जोड़ी फुस्स पड़ चुकी है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक सिकंदर ने 16वें दिन सिर्फ 26 लाख का कलेक्शन किया है. जो अब तक का सबसे कम कलेक्शन है सिकंदर का. जिसके बाद फिल्म का टोटल कलेक्शन 109.36 करोड़ हो गया है. सलमान खान की सिकंदर बॉक्स ऑफिस पर 120 करोड़ का ही कलेक्शन अब मुश्किल से कर पाएगी. फिल्म के लिए 100 करोड़ कमाना भी मुश्किल हो गया था.

सलमान खान की सिकंदर के कलेक्शन पर सनी देओल की जाट भारी पड़ गई है. जाट 10 अप्रैल को सिनेमघरों में रिलीज हुई है और उसी के बाद से सिकंदर की कमाई लाखों में पहुंच गई है. तीसरे हफ्ते में सिकंदर सिर्फ लाखों में ही कमाई कर रही है. बता दें फिल्म को कुछ खास रिव्यू नहीं मिले थे. क्रिटिक्स ने फिल्म की कहानी को बहुत ही कमजोर बताया है जिसकी वजह से लोग इसे देखने के लिए नहीं गए हैं. अब फैंस सिकंदर के ओटीटी पर रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं ताकि इसे घर बैठे आराम से देख सकें. फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है.

राधिका मदान ने करवाई सर्जरी? बोलीं- 'ये अकवीडियो है, थोड़ा और एडिट कर लेते, नैचुरल लग रहा'

एक्ट्रेस राधिका मदान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इस वीडियो के बाद से खबरें आईं कि एक्ट्रेस ने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है. हालांकि, अब एक्ट्रेस ने इन खबरों पर रिएक्ट किया है और सिरे से खारिज कर दिया है.

एक यूजर ने राधिका का वीडियो शेयर करके लिखा- आपको कलर्स टीवी के पॉपुलर शो की ईशानी याद है? इसमें राधिका मदान को पहचान पाना बिल्कुल मुश्किल है, खैर कॉस्मैटिक काम जो करवाया है. राधिका को जब इस वीडियो के बारे में पता चला तो वो रिएक्ट करने से खुद रोक नहीं पाईं. राधिका ने वीडियो के कमेंट सेक्शन में रिएक्ट करते हुए कहा- 'बस इतने ही आईब्रो ऊपर की है अकयूज करके? और करलो यार...ये तो फिर भी नैचुरल लग रहा है.'

राधिका का रिएक्शन वायरल हो गया है. राधिका ने कुछ समय पहले फिलर्स पर रिएक्ट किया है. उन्होंने कहा, 'मैं लोगों को जज नहीं करती हूं जो फिलर करवातें हैं. क्योंकि ये उन्हें कॉन्फिडेंट बनाता है. उनकी सेल्फ इमेज का इंप्रूव करता है. जो कि जरुरी है. मुझे अभी इसकी जरुरत फील नहीं हुई. मुझे लोग बोलते थे कि मेरी जॉलाइन थोड़ी सी टेढ़ी है.'

राधिका के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्होंने टीवी शो मेरी आशिकी तुम से ही से टीवी डेब्यू किया था. इस शो को काफी पसंद किया गया. फिर धीरे-धीरे उन्होंने फिल्मों में एंट्री ली. राधिका को पटाखा, मर्द को दर्द नहीं होगा, अंग्रेजी मीडियम, शिद्दत, सना, कुत्ते, सजनी शिंदे का वायरल वीडियो, सरफिरा जैसी फिल्में की हैं. उन्होंने जिगरा में कैमियो अपीरियंस दीं. अब वो सूबेदार में नजर आएंगी.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com